अवैध खनन मामले में कांग्रेस विधायक भी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं : चुघ

'जिस पहाड़ी क्षेत्र जिस पर भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े, वो धरती आज साधुओं के खून से लाल है'

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने आज प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के दो दिन के प्रवास पर जनता व अलग-अलग कार्यकर्ताओं से मिलना हुआ है। कांग्रेस के शासन में राजस्थान को नजर लग चुकी है, आज राजस्थान के अन्दर माफिया बढ़ चुका है, आप जिस ओर भी जाएं आपको दिखेगा खनन, नकल, शराब, बजरी, तबादला, ट्रंसंसपोर्ट माफिया। कुछ समय पहले तो लग रहा था कि माफिया इस सरकार की शरण में पनप रहा है, लेकिन आज ऐसी परिस्थिति में पहुंच चुकी है कि राजस्थान की सरकार को माफिया चला रहा है।

उन्होंने कहा कि माफिया संचालित अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार एक बेईमान सरकार है, बेशर्म सरकार है। और ये मैं और भाजपा ही नहीं कह रहे, बल्कि कांग्रेस सरकार के अन्दर उनके विधायक व पूर्व मंत्री भरत सिंह ने खनन के मामले में राज्य सरकार पर आरोप लगाए और लगातार उनके मंत्री चाहे वो राजेन्द्र गुढ़ा हो और कई विधायक, चाहे सचिन पायलट हों, सार्वजनिक मंचों पर आकर अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार के कठघरे में खड़ा करते हैं। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से स्पष्ट हुआ है कि राजस्थान में जैसे सरकार ही

> ■ 'राहुल गांधी ने दस दिन में किसान कर्जा माफी करने का वादा किया था, आज 14 सौ दिन बीत चुके, कहां है कांग्रेस का मैनिफेस्टो, राहुल, प्रियंका, सोनिया, राजस्थान की जनता जानना चाहती है'

नहीं है। राजस्थान की सरकार सक्षम नहीं है, राजस्थान की सरकार जो अपने नागरिकों की सुरक्षा नहीं कर पा रही, जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि बृज क्षेत्र के अन्दर भगवान श्री कृष्ण की क्रीड़ास्थली में खनन और इस तरह का खनन कि पहाड़ पाताल बना दिए, पूरे भारत से लोग भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा रखते हं, करोडों कृष्ण भक्त। लगातार बार-बार आवाज उठाने के बाद भी खनन माफिया के साथ ये सरकार खनन को रोकने के बजाए उसको संरक्षण दिया जा रहा है और जिस तरह वहां के साधुओं ने विरोध किया, उस विरोध के बावजूद सरकार के सिर पर जूं नही रेंगी और साधु विजयदास जी की मौत, उनका आत्मदाह, साधुओं का आंदोलन ये स्पष्ट हो चुका है किस तरह से माफिया इस सरकार को कंट्रोल कर रहा है। बृज का वो पहाड़ी क्षेत्र जिस पर भगवान श्रीकृष्ण जी के चरण पड़े, वो धरती जहां पर बृजवासियों के साथ भगवान श्रीकृष्ण जी ने लीलाएं की। वो धरती आज साधुओं के खून से लाल हुई है, क्योंकि राजस्थान की गूंगी-बहरी, नासमझ अशोक गहलोत की सरकार, माफिया के हाथ में चल रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यसमिति और प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सह-संयोजकों की बैठकें ली, जिसमें संगठनात्मक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों एवं राज्य के जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यसमिति बैठक में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा इत्यादि भी मौजूद रहे। इससे पहले तरूण चुघ ने जयपुर में आदर्श नगर स्थित पीएचसी पर बूथ टीकाकरण अभियान के तहत वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचकर डॉक्टर्स एवं नर्सेज का धन्यवाद जताया और इसी परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा के प्रति लोगों को संदेश दिया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन शर्मा इत्यादि सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चुघ ने कहा कि उदयपुर में दर्जी की नृशंस हत्या होती है, उपद्रवी आते हैं दुकान के अन्दर और हत्या कर देते हैं। कांग्रेस सरकार हत्यारों को पकड़ने के बजाए पीड़ितों को ही पकड़ रही है, करौली में दुकानें जलाई गई। राजस्थान में खुलेआम नरसंहार हो रहे हैं, राज्य सरकार पूरी तरह चरमरा चुकी है, और यह सरकार केवल अपराधियों को शरण देने में लगी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत को याद दिलाना चाहता हूं, कि जो वादे उन्होंने किए थे वह वादे पूरे करने का समय आ चुका है, आपकी सरकार का जाने का समय आ चुका है। और राजस्थान की जनता तैयार बैठी है सरकार बदलने के लिए, राजस्थान की जनता गहलोत को 2023 में बाय-बाय कहने को तैयार है, राजस्थान की जनता छुटकारा चाहती है। ऐसी निकम्मी सरकार से और 2023 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनाएगी।

कहते हैं अमावस्या पर अंधेरे का राज होता है लेकिन हरियाली अमावस्या पर हरे-भरे पहाड़ों के आगोश में समाया आमेर महल आँखों को सुकून पहुंचा रहा है ओर मन को उत्साहित कर रहा है। फ़ोटो दिनेश भारद्वाज

'ईडी के अधिकारों पर गहलोत की टिप्पणी कोर्ट की अवमानना'

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत ईडी के अधिकारों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्णय पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की टिप्पणी संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध तथा सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आती है।

राठौड़ ने कहा कि सच्चाई यह है कि ईडी द्वारा सोनिया गांधी व राहुल गांधी से पूछताछ करने पर कुपित होकर आलाकमान की मिजाजपुर्सी की पराकाष्ठा करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णय पर राजनीति करने वाले अशोक गहलोत देश के पहले मुख्यमंत्री होंगे जिन्होंने न्यायिक निर्णय को राजनीतिक चश्में से देखकर ऐसी टिप्पणी की जो संविधान प्रदत्त न्यायालय की स्वायत्तता, गरिमा एवं संविधान के संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केन्द्र सरकार के विरोध में तोतारटंत आरोप लगाने की जगह अगर अपने लगभग 4 साल पूर्ण करने की ओर बढ़ रही सरकार के कार्यकाल में जर्जर कानून व्यवस्था की चिंता करते तो अच्छा होता।

आईएएस श्रीवास्तव के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति को सही माना

हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल में सदस्य रहते हुए भ्रष्टाचार के मामले में श्रीवास्तव को राहत देने से इंकार किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल में सदस्य रहते हुए भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में आईएएस रविशंकर श्रीवास्तव को राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने श्रीवास्तव के खिलाफ दी गई अभियोजन स्वीकृति को निष्पक्ष रूप से दिया जाना माना है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश रविशंकर श्रीवास्तव की रिवीजन याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि प्रकरण 18 साल पुराना है, ऐसे में इसकी जल्दी ट्रायल होनी चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से एसीबी कोर्ट क्रम-2 के एक अप्रैल 2019 के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस आदेश में एसीबी कोर्ट ने श्रीवास्तव के खिलाफ जारी अभियोजन स्वीकृति को सही माना था। रिविजन में कहा गया कि राजस्व मंडल में सदस्य के कार्यकाल के दौरान रिश्वत लेकर पक्षपातपूर्ण

> ■ कोर्ट ने कहा कि मामला 18 साल पुराना है, ऐसे में इसकी जल्दी ट्रायल होनी चाहिये

आदेश देने का आरोप लगाते हुए वर्ष 2004 में याचिकाकर्ता के खिलाफ एसीबी ने मामला दर्ज किया था। वहीं मामले में केन्द्र सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति जारी की गई। याचिका में इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि केन्द्र सरकार ने मामले में राज्य सरकार की ओर से दी गई अभियोजन स्वीकृति की कॉपी की है और इसे मशीनी अंदाज में जारी किया गया है। इसके अलावा यह स्वीकृति संबंधित मंत्री ही दे सकता था, लेकिन स्वीकृति पर डीओपीटी के अवर सचिव के हस्ताक्षर हैं। ऐसे में स्वीकृति को वैध नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि स्वीकृति देने की शब्दावली एक समान ही होती है। इसके अलावा निर्णय मंत्री का ही होता है, जिसे अवर सचिव के जरिए लागू किया जाता है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

मामले में अनुसार रविशंकर श्रीवास्तव के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति दी गई। केन्द्र सरकार की स्वीकृति के मामले में विशेष अदालत ने 15 जनवरी 2007 को माना कि स्वीकृति सक्षम अधिकारी ने दी है। इसके साथ ही अदालत ने स्वीकृति देने वाले अधिकारी को तलब किया। संबंधित अधिकारी के बयान दर्ज करने के बाद अदालत ने एक अप्रैल 2019 को माना की स्वीकृति विधि अनुसार जारी की गई है। इस आदेश को रविशंकर श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर। हाईकोर्ट ने आर्मी के जनरल सुपरवाइजर की ड्यूटी के दौरान मौत के बावजूद आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर रक्षा सचिव और कमांडेंट स्टेशन, जयपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश राकेश की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता नंदलाल आर्मी स्टेशन हैड क्वाटर सेल जयपुर कैंट में जनरल सुपरवाइजर के पद पर तैनात थे। उनकी 24 सितंबर 2003 को ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। इसके बाद याचिकाकर्ता की मां ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। विभाग ने आवेदन निरस्त करते हुए आश्वासन दिया कि उसके पुत्र को नियुक्ति दी जा सकती है।

'जिनके हाथों में प्रदेश की रक्षा का दायित्व है, वही भक्षक बन रहे हैं'

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से आदर्श नगर स्थित कार्यसमिति बैठक महावीर इंटरनेशनल सभागार में आयोजित हुई। कार्यसमिति में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ रहे, कार्यसमिति में कुल 3 सत्र रहे पहला सत्र राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने लिया। दूसरा सत्र पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने लिया और तीसरा सत्र प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया ने लिया। राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ पहले आदर्श नगर स्थित पीएससी में टीकाकरण अभियान में पहुंचे।

राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने अपने संबोधन में कहा आज राजस्थान में खुलेआम नरसह हत्याएं हो रही है आए दिन हमले और कत्लेआम हो रहे हैं। खुलेआम हमले हो रहे हैं। साथ ही जिहादियों की मानसिकता को इतना बल मिल गया है कि लोग कार्यवाही को अंजाम देते समय वीडियो तक बना अपलोड करने लगे हैं। राजस्थान में डराने का वातावरण खड़ा किया जा रहा है और दूसरी ओर जिनके हाथ में राजस्थान की रक्षा का दायित्व है। वही लोग राजस्थान के रक्षक नहीं वरन भक्षक बन बैठे हैं। एक और जिहादियों मानसिकता वाले व्यक्तियों द्वारा गले काटे जा रहे हैं और यहां मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर केक काटे जा रहे हैं।

द्वितीय सत्र पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने लिया मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, उज्जवला गैस योजना, डिजिटल इंडिया, जम्मू कश्मीर की धारा 370 35 हटाना निम्न कार्यों पर प्रकाश डाला। तीसरे और अंतिम सत्र को प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने संगठन के कार्यों को लेकर समीक्षा की डॉ पुनिया ने कहा कार्यकर्ताओं से कहा हम काम करेंगे तो आप उस पर भरोसा रखिए देर सही लेकिन सफलता 1 दिन निश्चित रूप से मिलेगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया खेलेंगी टी20 विश्व कप फाइनल : पोटिंग

मेलबोर्न, 27 जुलाई । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और दो बार 50 ओवर विश्व कप जीतने वाले कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल के लिए मेज़बान ऑस्ट्रेलिया और भारत सबसे प्रबल दावेदार हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच पोंटंग ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा, मुझे लगता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया फ़ाइनल खेलने वाली दो टीमें होंगी और ऑस्ट्रेलिया उन्हें फाइनल में हरा देगा। मौजूदा चैंपियन टीम के पास घरेलू परिस्थितियां हैं और यह एक ऐसी चीज़ थी जिसने पिछले विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत को ना सिर्फ़ उल्लेखनीय बनाया, बल्कि बहुत सुखद भी।

टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने दो-दो बार फ़ाइनल खेला है लेकिन एक बार भी एक दूसरे के विरुद्ध नहीं। 2007 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर पहला विश्व कप अपने नाम किया था जबकि 2014 में वह श्रीलंका से हारे थे। ऑस्ट्रेलिया पिछले साल न्यूज़ीलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता और इससे पूर्व वह 2010 के फ़ाइनल में इंग्लैंड से हारा था। पोंटिंग

लंबे समय से ब्रेंडन मैकुलम के प्रशंसक रहे ह और हाल ही में अपने कार्यकाल के दौरान इस कीवी खिलाड़ी ने अब तक जो कुछ भी किया है, उससे वह बहुत प्रभावित हुए हैं। इंग्लैंड के नए सीमित ओवर कोच मैथ्यू मॉट से भी पोंटिंग परिचित ह और उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बडा खतरा इंग्लैंड को बताया।

उन्होंने कहा, मुझे सचमुच में लगता है कि इंग्लैंड सफेद गेंद वाली एक शानदार टीम है और उनके पास सफेद गेंद का एक शानदार सेटअप है। मुझे लगता है कि कागज पर तीन टीमें जिनके पास सबसे अधिक क्लास और सबसे ज़्यादा मैच जिताने वाले खिलाड़ी दिखते हैं, वे हैं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ।

पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में पाकिस्तान ने क्रिकेट जगत को ख़ासा प्रभावित किया था और ग्रुप स्टेज में सारे मैच जीतते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया । वहां एक करीबी मुक़ाबले में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था और पोंटिंग ने पाकिस्तान टीम को कप्तान बाबर आज़म पर अत्यधिक निर्भरता से बचने की सलाह दी।

पोंटिंग ने कहा, अगर बाबर के लिए शानदार टूर्नामेंट नहीं रहा तो वह नहीं जीतेंगे। बाबर को कुछ साल पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए देखा था और तब से वह और बेहतर बनते जा रहे हैं। पाकिस्तान के लिए सलामी जोडी और नई गेंद से गेंदबाजी बहुत महत्वपूर्ण रहेगी। ऑस्ट्रेलिया के पिचों पर स्पिन का इतना बड़ा रोल नहीं होगा।

घुटने की चोट के कारण अटलांटा ओपन से बाहर हुए किर्गियोस

अटलांटा, 27 जुलाई। विंबलडन 2022 के फाइनलिस्ट निक किर्गियोस ने बाएं घुटने की चोट के कारण अटलांटा ओपन से नाम वापस ले लिया है। सातवीं सीड किर्गियोस विंबलडन के बाद अपना पहला मैच खेलते हुए पहले दौर में पीटर गोजोकज़िक का सामना करने वाले थे। अटलांटा के 2016 चैंपियन किर्गियोस ने मंगलवार रात अपना नाम वापस लेने के बाद कहा, "मैं बस यह कहना चाहता हूं कि मैं आज मैच न खेल पाने के कारण बेहद निराश हूं। मैं यह टूर्नामेंट एक बार जीत चुका हूं और फिलहाल मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से गुज़र रहा हूं।" उन्होंने कहा, "मैं बस इतना करना चाहता था कि यहां आकर आप लोगों को बेहतरीन अनुभव दे सकूं, लेकिन मैं आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैं अपनी उम्मीदें बरकरार रखूंगा और शायद इस हफ्ते थानासी के साथ युगल प्रतियोगिता जारी रख सकूंगा।"

भारत महिला विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा

मुंबई, 27 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेज़बानी के अधिकार हासिल कर लिये हैं। भारत पांचवीं बार महिला विश्व कप की और 2013 के बाद पहली बार एकदिवसीय महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत ने 2016 में महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी की थी।

बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा कि आईसीसी ने मंगलवार को बर्मिंघम में हुई बैठक के बाद इसकी घोषणा की। विश्व कप 2025 का आयोजन भी 2022 के संस्करण की तरह ही होगा, जहां आठ टीमें विश्व कप की दावेदारी पेश करने के लिये कुल 31 मैच खेलेंगी। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, "हम आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेजबानी करने के इच्छुक थे और हमें खुशी है कि हमने महिला कैलेंडर पर इस शीर्ष आयोजन के लिए मेजबानी के अधिकार जीते हैं। भारत ने 2013 में 50 ओवर के महिला विश्व कप की मेजबानी की और तब से इस खेल में जबरदस्त बदलाव आया है। महिला क्रिकेट की लोकप्रियता तेजी से बढ रही है और यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। बीसीसीआई आईसीसी के साथ मिलकर काम करेगा और सभी जरूरतों को पूरा करेगा।"

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, "हमें 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। बोर्ड इस आयोजन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। बीसीसीआई भारत में महिला क्रिकेट के प्रति समर्पित है। हमारे पास बुनियादी ढ ांचा है, और मुझे विश्वास है कि हम विश्व कप के एक सफल संस्करण का आयोजन करेंगे।"

इसी बीच, आईसीसी ने बताया कि महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी 2024 में बांग्लादेश और 2026 में इंग्लैंड करेगा। यदि श्रीलंका की महिला टीम 2027 टी20 चैंपियन्स ट्रॉफी में जगह बना पाती है तो यह आयोजन श्रीलंका में होगा। महिला टी20 चैंपियन्स ट्रॉफी का उद्घाटन संस्करण टी20 प्रारूप में खेला जाएगा।

टेस्ट रैंकिंग में बुमराह से आगे निकले शाहीन

दुबई, 27 जुलाई। पाकिस्तान के युवा तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी भारत के जसप्रीत बुमराह को पछाडकर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार अफ़रीदी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग (836) के साथ टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं, जबकि बुमराह 828 रेटिंग पॉइंट के साथ एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर आ गये हैं। अफ़रीदी ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गये पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में चार विकेट लिये थे। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस 891 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर हैं जबकि रविचंद्रन अश्विन 842 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर के टेस्ट गेंदबाज़ हैं।

इसी बीच, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी क्रिकेट के तीनों प्रारूप में नंबर एक बल्लेबाज़ बनने के करीब आ गये हैं। एकदिवसीय और टी20 रैंकिंग में लंबे समय से शीर्ष पर बने हुए बाबर ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के साथ टेस्ट रैंकिंग में भी सुधार किया है।

बाबर पहले टेस्ट की पहली पारी में 119 और दूसरी पारी में 55 रन बनाये थे, जिसकी बदौलत वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 874 रेटिंग के साथ तीसरे पायदान पर आ गये हैं। इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज़ जो रूट हालांकि 923 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन 885 पॉइंट के साथ उनके ठीक पीछे हैं। बाबर ने कुछ समय पहले कहा था कि तीनों प्रारूपों में नंबर एक बल्लेबाज़ बनना उनका सपना है, हालांकि रूट और लाबुशेन की शानदार फॉर्म के चलते उन्हें इसके लिये इंतजार करना पडेगा।

दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने एकदिवसीय रैंकिंग में छलांग लगायी है, जिससे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली एक-एक पायदान नीचे आ गये हैं।

पीवी सिंधु राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी

बर्मिंघम, 27 जुलाई। ओलम्पिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी। स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा के चोट के कारण इन खेलों से हट जाने के बाद सिंधु को यह जिम्मेदारी दी गयी है।

ओलम्पिक स्वर्ण विजेता और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपडा ने चोट चिंताओं के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया था। नीरज को अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप के दौरान हल्की चोट लगी थी और सोमवार को एम्आरआई स्कैन कराने के बाद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया। नीरज ने भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) से आग्रह किया था कि वह बर्मिंघम खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक नहीं बन पाएंगे।

लक्ष्मी रतन शुक्ला बने बंगाल के कोच

कोलकाता, 27 जुलाई । बंगाल के पूर्व हरफ़नमौला लक्ष्मी रतन शुक्ला को 2022-23 सत्र के लिए बंगाल टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। वह अरूण लाल की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने ही अपने पद से इस्तीफा दिया था।

शुक्ला ने कहा, यह मेरे लिए एक नई ज़िम्मेदारी है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। मुझे नई चुनौतियां पसंद हैं। पिछले कुछ समय से हम (बंगाल) ट्रॉफी जीतने के क़रीब आ रहे हैं लेकिन जीत नहीं पा रहे हैं। इसलिए नए सत्र में नई ऊंचाइयों को पाने के लिए हमें एक नई शुरुआत करनी होगी।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में शुक्ला ने आगे कहा, मैं मानता हूं कि किसी भी लक्ष्य को पाना संभव है बशर्ते सभी अपने आप में विश्वास करें। कठिन परिस्थितियों में अपने आपको कैसे नियंत्रित करना है और उससे कैसे निपटना है, हमें वह कला सीखनी होगी। मुझे लगता है कि जो खिलाडी इस स्तर पर पहुंचे हैं, वे ऐसा कर सकते हैं। यह नया साल, नया सीज़न है और हम सर्वश्रेष्ठ की आशा कर रहे हैं। बंगाल 2019-20 में रणजी ट्रॉफी की उपविजेता थी, जबकि इस साल उन्हें सेमीफ़ाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। टी20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वे क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, जबकि 50 ओवर के विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में वे नॉकआउट में जगह नहीं बना पाए थे।

सीएबी के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने कहा, बोर्ड के सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से लक्ष्मी रतन शुक्ला को नियुक्त करने का फैसला किया है।

अन्य दावेदारों में उनके जैसा अनुभवी और योग्य कोई नहीं था। मुझे पूरी उम्मीद है कि उनकी अगुवाई में बंगाल क्रिकेट नई ऊंचाइयों को छुएगा। वह बंगाल से ही खेले हैं तो वह आसानी से खिलाड़ियों से जुड सकते हैं।

वहीं भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच डब्लयूवी रमन को टीम का बल्लेबाज़ी सलाहकार बनाया गया है, जबकि सौराशीष लाहिडी टीम के सहायक कोच बने रहेंगे। रमन इससे पहले 2011-12 में बंगाल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। 2012 में उनके कार्यकाल के दौरान ही बंगाल ने मुंबई को हराकर विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी का ख़िताब जीता था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले दोनों फाइनल लॉर्ड्स में होंगे

दुबई, 27 जुलाई। आईसीसी ने 2023 और 2025 में होने वाले अगले दोनों विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फ़ाइनल की मेज़बानी लॉर्ड्स को सौंप दी है। 2021 में पहले डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड ने भारत को हराया था और यह मुक़ाबला भी मूलतया लॉर्ड्स में ही खेला जाना था लेकिन कोविड और उससे उत्पन्न पाबंदियों के चलते यह साउथैंप्टन में खेला गया था।

आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने हाल ही में बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल को बताया था, यह जून में खेला जाता है और ऐसे में कई जगहों पर इसका खेलना मुश्किल हो जाता है। हमें इस फाइनल के आयोजन पर निश्चित होने की ज़रूरत है और ऐसे में अब कोविड के कम होने के बाद हम इसे लॉर्ड्स में ले आना चाहते हैं। डब्ल्यूटीसी में विश्व की शीर्ष नौ टेस्ट टीमें एक दूसरे से भिड रहीं हैं और दो साल के अंतराल में हर टीम को कुल छह सीरीज़ खेलनी पड़ती हैं, आधे आपने घर पर और बाक़ी देश के बाहर।

बांग्लादेश ने भारत को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर, 27 जुलाई। एसएएफएफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2019 की विजेता भारत ने बुधवार को चैंपियनशिप 2022 की शुरुआत बांग्लादेश से हारकर की।

बांग्लादेश ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारत को 2-1 से हराया। बांग्लादेश के लिये जहां पियाश अहमद (29, 45,1) ने दो गोल किये, वहीं भारत का एकलौता गोल हिमांशु जांगडा (35) ने किया। दोनों टीमों के बीच कडा मुकाबला देखा गया, लेकिन कई मौकों को गोल में न बदल पाने के कारण भारत को हार का सामना करना पडा।

बांग्लादेश के लिये पियाश अहमद ने मैच के 29वें मिनट में भारतीय डिफेंस को भेदते हुए पहला गोल किया। भारत ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और छह मिनट बाद ही गुरकीरत सिंह के हेडर की बदौलत मैच 1-1 की बराबरी पर आ गया। मैच के 37वें मिनट में भारत को एक और मौका मिला जहां हिमांशुजांगड़ा ने बॉल पार्थिब गोगोई को पास की। गोगोई ने गोल का प्रयास किया लेकिन बॉल क्रॉस बार पर जा लगी।

इस बीच, बांग्लादेश को पहले हाफ के अंत से ठीक पहले एक कॉर्नर मिला जिसे पियाश ने गोल में तब्दील कर अपनी टीम को 2-1 की बढ़ त दिलायी। दूसरे हाफ में भारत को कई अवसर मिले जिन्हें युवा टाइगर गोल में नहीं बदल सके। मैच के 50वें मिनट में गुरकीरत ने हिमांशु को पास दिया, जहां हिमांशु का प्रयास गोल के ऊपर से निकल गया।

मैच के 86वें मिनट में प्रीतम मितेई ने भारत के लिये दूसरा गोल करने का प्रयास किया, लेकिन बांग्लादेशी गोलकीपर ने उसे बखूबी रोक लिया। अंततः बांग्लादेश ने 2-1 से जीत दर्ज की। अपने पहले मैच में श्रीलंका को हरा चुके बांग्लादेश ने टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत अपने अगले मुकाबले में 29 जुलाई को श्रीलंका का सामना करेगा।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ से बाहर हुए केएल राहुल

बेंगलुरु, 27 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज़ केएल राहुल टी20 सीरीज़ के लिए वेस्टइंडीज का दौरा नहीं कर रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो समझता है कि राहुल का क्वारंटीन पीरियड बुधवार को समाप्त हो रहा है लेकिन उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक सप्ताह और आराम करने की सलाह दी है। राहुल पिछले सप्ताह ही कोरोना पॉज़िटिव हुए थे।

स्पोर्ट्स हार्निया की सर्जरी के बाद राहुल एनसीए, बेंगलुरू में रिकवरी कर रहे थे और यह संभावना जताई जा रही थी कि वे वेस्टइंडीज़ में टी20 सीरीज़ से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। लेकिन अब यह संभावना समाप्त हो गई है। दो नकारात्मक रिपोर्ट आने के बाद भी वह अब वेस्टइंडीज नहीं जाएंगे। क्योंकि डॉक्टर्स ने उन्हें आराम की सलाह दी है। अब वह ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। भारत को 18, 20 और 22 अगस्त को जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में तीन वनडे खेलने हैं।